हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, रविवार 19 जुलाई 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

प्रभारी मंत्री के निर्देश निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और समय-सीमा का पालन अनिवार्य

मण्डला। निर्माण कार्यों की समीक्षा के दौरान श्री जायसवाल ने कहा कि सभी एजेंसियां यह सुनिश्चित करें कि कार्य समुचित गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूर्ण हों। उन्होंने फारेस्ट क्लीयरेंस के मुद्दे पर कहा कि सड़क और जल संरचनाओं के निर्माण में फारेस्ट क्लीयरेंस शीघ्र मिले ताकि जनहित के कार्यों में विलंब न हो। मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने बताया कि बीजेगांव डैम के बैकवाटर क्षेत्र में जहां लोग छोटी नावों से आना-जाना करते हैं, वहां पुल का निर्माण कराया जाएगा। कटरा और मेडिकल कॉलेज की ओर सड़क चौड़ीकरण, कृषि उपज मंडी और बस स्टैंड को शहर से बाहर शिफ्ट करने, नवीन कलेक्ट्रेट भवन, ट्रांसपोर्ट नगर एवं मांस-मछली बाजार को बाहर शिफ्ट करने की कार्ययोजना बनाई गई है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शीघ्र प्रारंभ हों

मण्डला। बारिश के मौसम को देखते हुए प्रभारी मंत्री ने स्वास्थ्य विभाग को सतर्क रहने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस मौसम में होने वाली बीमारियों और सर्पदंश की आशंका बढ़ जाती है, इसलिए सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर आवश्यक दवाइयों की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। कुत्तों के काटने की घटनाओं के लिए भी केंद्रों में एंटी रैबीज वैक्सीन उपलब्ध रखी जाए। उन्होंने अंजनिया के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का मुद्दा उठाते हुए नाराजगी जताई कि लोकार्पण के दो माह बाद भी वहां स्वास्थ्य सेवाएं आमजन को उपलब्ध नहीं हैं। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी भवन का काम शेष रहते लोकार्पण न कराया जाए। वर्चुअल भूमिपूजन की स्थिति में भी स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में मौके पर भूमिपूजन कराया जाए।

किसानों को समय पर उर्वरक उपलब्ध कराएं

मण्डला। प्रभारी मंत्री श्री जायसवाल ने कहा कि जिले में उर्वरक की पर्याप्त उपलब्धता है। ऐसे में ई-टोकन या अन्य किसी कारण से कोई भी किसान परेशान न हो, यह सुनिश्चित किया जाए। नेटवर्क विहीन क्षेत्रों के किसानों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जाए ताकि उन्हें समय पर उर्वरक मिल सके। उन्होंने कहा कि ई-टोकन व्यवस्था अभी भी बहुत से किसानों के लिए नई है और उन्हें इसकी पर्याप्त जानकारी नहीं है। उप संचालक कृषि को उन्होंने निर्देशित किया कि आवश्यकता अनुसार शिविर लगाकर किसानों को ई-टोकन प्रक्रिया और कृषि योजनाओं के बारे में जागरूक किया जाए। यह हमारी जिम्मेदारी है कि कृषकों को कृषि कार्य में हर संभव मदद मिले।

प्राथमिक में कमी होने पर माध्यमिक शिक्षक से अध्यापन का प्रावधान

दोनों स्तरों पर पढ़ा सकते हैं शिक्षक

*** एकीकृत शालाओं में नियमों के पालन पर उठे सवाल।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

जिले की शिक्षा व्यवस्था गर्त पर इसलिये जा रही है कि शहरी क्षेत्रों में आवश्यकता से अधिक शिक्षक पदस्थ हैं तो वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षकों की भारी कमी है। लगातार बदलते अधिकारियों और बदलते जनप्रतिनिधियों के भारी भरकम प्रयास के बावजूद आज भी यह गलत व्यवस्था कायम है क्यों नहीं अतिशेष शिक्षकों को उनकी मूलतः पदस्थापना शालाओं में भेजने की कोई हिम्मत जुटा पा रहा है और जो माध्यमिक स्तर पर शिक्षण कार्य करा रहा है क्या वह शिक्षक प्राथमिक स्तर की कक्षाओं में उस समय अध्ययन कार्य नहीं करा सकता जबकि वहां कोई शिक्षक उपलब्ध न हो।

जिले की एकीकृत शालाओं में शिक्षकों की पदस्थापना एवं अध्यापन व्यवस्था को लेकर एक बार फिर सवाल उठने लगे हैं। जानकारी के अनुसार एक परिसर-एक शाला (एकीकृत शाला) व्यवस्था के तहत कार्यरत विद्यालयों में शिक्षक किसी एक स्तर के नहीं, बल्कि संपूर्ण एकीकृत विद्यालय के शिक्षक माने जाते हैं। ऐसे में विद्यालय की आवश्यकता के अनुरूप संस्था प्रमुख समय-सारणी बनाकर प्राथमिक एवं माध्यमिक दोनों स्तरों पर शिक्षकों से अध्यापन कार्य करा सकते हैं।

सूत्रों से प्राप्त जानकारी अनुसार एकीकृत शाला संबंधी प्रावधानों का उद्देश्य उपलब्ध शिक्षकों का प्रभावी एवं संतुलित उपयोग सुनिश्चित करना है, ताकि किसी भी कक्षा के विद्यार्थियों की पढ़ाई शिक्षक की कमी के कारण प्रभावित न हो। यदि प्राथमिक स्तर पर शिक्षकों की कमी हो और माध्यमिक स्तर पर पर्याप्त शिक्षक उपलब्ध हों, तो आवश्यकता अनुसार माध्यमिक शिक्षक को प्राथमिक कक्षाओं में भी अध्यापन कार्य सौंपा जा सकता है। इसी प्रकार आवश्यकता पड़ने पर प्राथमिक शिक्षक की योग्यता अनुसार निर्धारित नियमों के अनुरूप अन्य कक्षाओं में सहयोग कर सकते हैं। जानकारी में आया है यही नियम एकीकृत हाईस्कूलों के लिए है।

शिक्षा क्षेत्र से जुड़े जानकारों का कहना है कि जिले की अनेक एकीकृत शालाओं में इस व्यवस्था का प्रभावी पालन नहीं हो रहा है। कई विद्यालयों में माध्यमिक स्तर पर शिक्षक पर्याप्त संख्या में हैं, जबकि प्राथमिक कक्षाएं शिक्षक अभाव से जूझ रही हैं। इसके बावजूद उपलब्ध शिक्षकों के बीच समन्वय स्थापित नहीं किया जा रहा, जिससे छोटे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है।

सूत्रों के अनुसार कई एकीकृत विद्यालयों में माध्यमिक शिक्षक प्राथमिक कक्षाओं में अध्यापन कार्य करने से परहेज करते हैं। यदि यह स्थिति सही है तो यह एकीकृत शाला व्यवस्था की मूल भावना के विपरीत मानी जा रही है। शिक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि संस्था प्रमुखों को नियमों के अनुरूप शिक्षकों का साझा उपयोग सुनिश्चित करना चाहिए, जिससे सभी कक्षाओं में नियमित शिक्षण कार्य संचालित हो सके।

अभिभावकों एवं शिक्षकों का भी कहना है कि जनजातीय कार्य विभाग को एकीकृत शाला व्यवस्था की स्पष्ट व्याख्या करते हुए सभी विद्यालयों में एक समान निर्देश जारी करने चाहिए। साथ ही ऐसे विद्यालयों की जांच कराई जाए, जहां शिक्षकों की उपलब्धता के बावजूद प्राथमिक कक्षाओं की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। यदि नियमों का प्रभावी पालन सुनिश्चित किया जाए तो उपलब्ध शिक्षकों से ही शैक्षणिक व्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार लाया जा सकता है और विद्यार्थियों का शैक्षणिक हित सुरक्षित रहेगा।

इनका कहना है -

एकीकृत स्कूलों में पदस्थ सभी शिक्षकों की जिम्मेदारी है कि वे शैक्षणिक कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दें, ताकि विद्यार्थियों की पढ़ाई किसी भी स्थिति में प्रभावित न हो। यदि कहीं शिक्षण व्यवस्था या शिक्षकों की कार्यप्रणाली को लेकर अनियमितता अथवा शिकायत की जानकारी प्राप्त हुई है, तो इस संबंध में विभागीय अधिकारियों से चर्चा कर जांच के निर्देश जारी किए जाएंगे। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

-इंजी. कमलेश तेकाम,
अध्यक्ष, जिला शिक्षा समिति

आपके द्वारा उठाया गया मामला संज्ञान में आया है। शासन के प्रचलित नियमों एवं निर्देशों के अनुरूप संबंधित विद्यालयों को आवश्यक दिशा-निर्देश शीघ्र जारी किए जाएंगे, ताकि शैक्षणिक व्यवस्था सुचारु रूप से संचालित हो और नियमों का प्रभावी पालन सुनिश्चित किया जा सके।

-डॉ. अरुण कुमार शुक्ला,
सहायक आयुक्त, जनजाति कार्य विभाग, मण्डला

भगवान परशुराम मंदिर का ताला तोड़कर दान पात्र चोरी

*** ब्राह्मण सभा ने दोषियों की गिरफ्तारी की मांग।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

नगर के नावघाट स्थित भगवान परशुराम मंदिर में शुक्रवार तड़के अज्ञात चोरों ने मंदिर का मुख्य ताला तोड़कर दान पात्र (दान पेटी) चोरी कर लिया। घटना का पता उस समय चला, जब सुबह लगभग 5 बजे मंदिर की नियमित साफ-सफाई के लिए पहुंची महिला कर्मचारी ने मंदिर का ताला टूटा हुआ और दान पात्र गायब देखा।

घटना की सूचना मिलते ही माहिष्मती सर्व ब्राह्मण सभा, मंडला के पदाधिकारी मौके पर पहुंचे और थाना कोतवाली में लिखित शिकायत दर्ज कराते हुए अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध शीघ्र एवं कठोर वैधानिक कार्रवाई की मांग की।

सभा के अध्यक्ष पं. प्रमोद पाण्डेय ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि यह केवल चोरी का मामला नहीं, बल्कि धार्मिक आस्था एवं श्रद्धा से जुड़े स्थल की सुरक्षा पर गंभीर प्रश्नचिह्न है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से मामले का शीघ्र खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग की।

सभा ने प्रशासन का ध्यान इस ओर भी आकर्षित कराया कि मंदिर परिसर एवं उसके आसपास रात्रि के समय बाहरी युवकों का जमावड़ा लगा रहता है। स्थानीय लोगों के अनुसार कुछ युवक नशे का सेवन करते हैं तथा देर रात तक ताश-पत्ती जैसी गतिविधियों में संलग्न रहते हैं, जिससे क्षेत्र का वातावरण प्रभावित होता है और असामाजिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की आशंका बनी रहती है। सभा ने इन शिकायतों की जांच कर मंदिर परिसर में नियमित पुलिस गश्त एवं प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है।

माहिष्मती सर्व ब्राह्मण सभा ने जिला एवं पुलिस प्रशासन से मंदिर की सुरक्षा के स्थायी प्रबंध करने तथा भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाने की अपेक्षा व्यक्त की है।

मध्यप्रदेश के लाल की अमेरिका में बड़ी उपलब्धि

*** सांदीपनि विद्यालय कालपी में प्राचार्य के रूप में दी है सेवायें।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

मध्य प्रदेश शासन के जनजाति कार्य विभाग में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सेवाएं दे चुके एवं शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कालपी, वर्तमान में सांदीपनि विद्यालय कालपी (खेल परिसर कालपी) के पूर्व प्राचार्य मिहिर कुमार दत्ता ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मध्यप्रदेश ही नहीं बल्कि पूरे भारत का नाम गौरवान्वित किया है।

सरल, मिलनसार स्वभाव और बहुमुखी प्रतिभा के धनी श्री दत्ता वर्तमान में संयुक्त राज्य अमेरिका में NAEP और साइंस एंड मैथमेटिक्स फ्रेमवर्क 2028-2029 के लिए STEM/STEP एडवाइजरी कमेटी के सदस्य के रूप में चयनित हुए हैं। इस कमेटी का कार्य स्टैटिस्टिक्स और डेटा साइंस के नए करिकुलम के साथ पूरे सिलेबस को नए सिरे से तैयार करना है।

इस प्रतिष्ठित प्रोजेक्ट के लिए पूरे USA से 3300 विशेषज्ञों ने आवेदन किया था, जिसमें से कठोर चयन प्रक्रिया के बाद मात्र 09 सदस्यों का चयन किया गया है। गौरव की बात यह है कि इन 09 सदस्यों में 08 सदस्य USA के मूल निवासी हैं और एकमात्र एक सदस्य भारतीय मूल के श्री मिहिर कुमार दत्ता हैं।

यह अमेरिका का सबसे बड़ा और सबसे भरोसेमंद राष्ट्रीय टेस्ट है, जो यह जांचता है कि कक्षा 4, 8 और 12वीं के बच्चे पढ़ाई में कैसा प्रदर्शन कर रहे हैं।

पूरे अमेरिका के अलग-अलग राज्यों की शिक्षा की गुणवत्ता की तुलना करने के लिए। स्कूलों और सरकार के लिए नई शिक्षा नीति (Education Policy) बनाने के लिए। यह देखने के लिए कि अमेरिकी शिक्षा व्यवस्था में सुधार हो रहा है या नहीं।

इस फ्रेमवर्क को बनाने वाली कमेटी में शामिल होना, अमेरिकी शिक्षा नीति को सीधे प्रभावित करने जैसा है।

अपने भारत प्रवास के दौरान मिहिर कुमार दत्ता इन दिनों भारत में हैं। इस दौरान वे सेवानिवृत्त शिक्षक अखिलेश चंद्रोल के साथ नई दिल्ली, भोपाल, इंदौर, जबलपुर सहित मंडला भी पहुंचे।

मंडला में उन्होंने भारत ज्योति विद्यालय एवं पीएम श्री रानी अवंती बाई शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का भ्रमण कर विद्यार्थियों एवं शिक्षकों से संवाद स्थापित किया। उन्होंने अपने अमेरिका के अनुभवों को साझा करते हुए बच्चों को STEM, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस के क्षेत्र में करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

अमित गरयार बने प्रधान आरक्षक

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

पुलिस विभाग में उत्कृष्ट सेवाएं अनुशासित कार्यशैली और कर्तव्यनिष्ठा का सम्मान करते हुए महाराजपुर थाना में पदस्थ आरक्षक अमित गरयार को पदोन्नति प्रदान कर प्रधान आरक्षक बनाया गया। पदोन्नति के इस अवसर पर मंडला अनुविभागीय पुलिस अधिकारी (एसडीओपी) पीयूष मिश्रा एवं महाराजपुर थाना प्रभारी डॉ. जय सिंह यादव ने उनके कंधों पर प्रधान आरक्षक की लाल पट्टी लगाकर नई जिम्मेदारी का औपचारिक रूप से अलंकरण किया तथा उन्हें शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर एसडीओपी पीयूष मिश्रा ने कहा कि पुलिस सेवा में पदोन्नति केवल पद परिवर्तन नहीं बल्कि जिम्मेदारियों और विश्वास में वृद्धि का प्रतीक होती है। उन्होंने कहा कि ईमानदारी अनुशासन समर्पण और उत्कृष्ट कार्य के आधार पर मिलने वाली यह उपलब्धि अन्य पुलिसकर्मियों के लिए भी प्रेरणास्रोत है। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रधान आरक्षक अमित गरयार भविष्य में भी आमजन की सुरक्षा कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा पुलिस की सकारात्मक छवि को मजबूत करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। वहीं थाना प्रभारी डॉ. जय सिंह यादव ने कहा कि अमित गरयार ने अपने सेवाकाल में सदैव निष्ठा मेहनत और जिम्मेदारी के साथ कार्य किया है। उनकी पदोन्नति उनके उत्कृष्ट कार्यों का परिणाम है। उन्होंने नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की कि वे आगे भी विभाग की अपेक्षाओं पर खरे उतरेंगे और जनता के प्रति संवेदनशीलता तथा निष्पक्षता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे। पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने प्रधान आरक्षक अमित गरयार को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

महाआरती में उमड़ा आस्था का सैलाब, झूलेलाल चालीसा महोत्सव में जुट रहे श्रद्धालु

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

अंबेडकर वार्ड स्थित भगवानी बाई केवलराम श्री झूलेलाल मंदिर में चल रहे चालीस दिवसीय श्री झूलेलाल चालीसा महोत्सव में शुक्रवार शाम आयोजित भव्य महाआरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। पुरुष,महिलाएं और बच्चों ने भगवान झूलेलाल की आराधना कर सभी परिवारों की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

13 जुलाई से प्रारंभ हुए इस धार्मिक महोत्सव के दौरान प्रतिदिन सुबह-शाम आरती, पूजा-अर्चना, कीर्तन सहित विभिन्न धार्मिक आयोजन किए जा रहे हैं। आयोजन समिति के अनुसार महोत्सव के प्रत्येक शुक्रवार को विशेष महाआरती का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें श्रद्धालुओं की लगातार सहभागिता देखने को मिल रही है।

महाआरती के बाद श्रद्धालुओं ने पल्लव पूजा कर भगवान झूलेलाल का आशीर्वाद प्राप्त किया।समिति ने बताया कि प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी झूलेलाल चालीसा महोत्सव पूरे श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। धर्म आस्था प्रेमी आयोजन में बढ़-चढ़कर शामिल हो रहे हैं। कार्यक्रम के समापन पर सभी श्रद्धालुओं को प्रसादी वितरण किया गया।

लोकार्पण | अमृत भारत योजना से मिला नैनपुर स्टेशन को नया आधुनिक स्वरूप।

प्रधानमंत्री ने वर्चुअली किया स्टेशन का लोकार्पण

*** स्थानीय नेताओं ने प्रधामंत्री के विजन की सराहना की।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को देशभर के 103 रेलवे स्टेशनों के आधुनिकीकरण का वर्चुअली उद्घाटन किया। इसी कड़ी में मण्डला जिले के नैनपुर रेलवे स्टेशन के नए स्वरूप का लोकार्पण भी किया गया।

राष्ट्रीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण नैनपुर स्टेशन पर किया गया। इसमें जनप्रतिनिधियों, अधिकारी-कर्मचारियों और आमजन ने भाग लिया। उद्घाटन के अवसर पर स्थानीय नेताओं ने प्रधानमंत्री के विजन की सराहना करते हुए कहा कि अमृत भारत स्टेशन योजना से छोटे शहरों के रेलवे स्टेशनों को भी विश्वस्तरीय सुविधाएं मिल रही हैं।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिले के प्रभारी मंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा कि यह स्टेशन अब यात्रियों के लिए अधिक सुविधाजनक और सुंदर बन गया है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में रेलवे के आधुनिकीकरण से क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी। भारत सरकार ने नैनपुर स्टेशन को अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत शामिल किया। इसके बाद इसे पुनर्विकसित किया गया है। इसमें यात्रियों के लिए बेहतर प्रतीक्षालय, आधुनिक शौचालय, बेहतर प्रकाश व्यवस्था, डिजिटल मय सूचना प्रणाली, सुमन आयोजन, सोल्यूशन की नई समुचित व्यवस्था और सुरक्षा की दृष्टि से सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। स्टेशन परिसर को आकर्षक रूप दिया गया है।

क्षेत्रीय सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने कहा कि नैनपुर रेलवे की दृष्टि से मंडला का प्रमुख स्टेशन है, यहाँ से रोजाना 18 गाड़ियाँ गुजरती हैं। भारत सरकार ने इसे योजना में शामिल किया जिससे सुविधाओं का विस्तार हुआ है। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत प्रदेश के अन्य स्टेशनों का भी आधुनिकीकरण किया जा रहा है, जिससे यात्रियों को बेहतर सुविधाएं और सुरक्षित यात्रा का अनुभव मिलेगा।

बच्चों का किया सम्मान

लोकार्पण कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री श्रीमती संपतिया उइके, नगर पालिका अध्यक्ष नैनपुर श्रीमती कृष्णा पंजवानी, जनपद पंचायत अध्यक्ष नैनपुर श्रीमती ओमवती उईके, मंडल रेलवे प्रबंधक दीपक गुप्ता, प्रधान वाणिज्य प्रबंधक विजय कुमार सहित अन्य रेल अधिकारी, गणमान्य नागरिक सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे। उपस्थित अतिथियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुति देने वाले स्कूली बच्चों को मंच से सम्मानित किया।

खबर संक्षेप

संदिग्ध स्थिति में फांसी से लटकी पाई गई युवक की लाश

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। समीपस्थ ग्राम जमाडा के पास जब लोगों ने एक युवक की फांसी पर लटकी हुई लाश देखी तो सनसनी का महौल निर्मित होने से नही चूक पाया। वही घटना की जानकारी जब पुलिस को लगी तो मौके पर पहुंचकर पुलिस द्वारा देखा गया तो मृतक की पहचान नीरज शुक्ला निवासी ग्राम झांझनखेड़ा के रूप में की गई। वही दूसरी ओर मौके पर घटना की सच्चाई को देखते हुये युवक की फांसी चर्चा का विषय बनने के साथ साथ मामले को संदिग्ध बनाने में कोई कसर छोड़ रही है...? घटना को लेकर पुलिस द्वारा मर्ग कायम करते हुये मामले को जांच में लेते हुये अलग अलग बिंदुओं पर जांच शुरू कर दी गई है।

अब बसेडिया द्वारा शुरू किया असहाय व निराश्रित वृद्धजनों मच्छरदानी वितरण कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। सेवा कार्यो में सदैव अग्रणी रहने वाले मुकेश बसेडिया द्वारा प्रति वर्ष के अनुसार इस साल भी क्षेत्र के समाज सेवी बसेड़यिा ने बर्षा ऋतु के शुरू होते हुये जंगल क्षेत्र की दुर्गंम पहाड़ी वनग्रामो सहित शहर के असहाय व निराश्रित वृद्धजनो व दिव्यांगों हेतु मच्छरदानी वितरण का प्रारंभ बेटियो के पैर पखारकर व शिक्षा प्रोत्साहन हेतु शिक्षण सामग्री भेंट कर किया। बताया जाता है कि परंपरा अनुसार पश्चिम बंगाल कलकत्ता के दिव्य शक्ति पीठ महाकाली के दरबार में उपस्थित वृद्ध माताओं व दिव्यांग जनो का सम्मान कर उन्हें मच्छरदानी व साडियों वस्त्र आदि प्रदान कर आशीर्वाद लिया। मैयारानी विजयासन व श्री दादाजी धूनी वालो की असीम कृपा से प्रतिवर्ष किसी न किसी पावन धाम से मच्छदानी वितरण का शुभारंभ कर सतत दुर्गंम पहाड़ी वनग्रामो ,गाडरवारा शहर के निराश्रित वृद्ध जनो व विभिन्न तीर्थ स्थलों पर असहाय, दिव्यांग जनो को लगातार चार माह वर्षा ऋतु में मच्छरदानी प्रदान की जाती है। बसेडिया ने बताया कि उपरोक्त सेवा का मुख्य उद्देश्य वृद्ध जनो को सुख चैन की नींद सुलाना तथा मच्छर व वर्षा जनित बीमारियों से बचाव है।उपरोक्त सेवा कार्य विगत 2004 से बाइस वर्षो से वर्षा ऋतु में मच्छरदानी तथा भीषण ठंड शरद ऋतु में कंबल ,रजाई वितरण तथा ग्रीष्म ऋतु में गुड़ चना युक्त प्याऊ जल सेवा व गौ जल सेवा निरंतर चल रही है।

पुलियों पर निकल रही लोहे की राडे दे रही दुर्घटनाओं खुला को आमंत्रण...

करोड़ों की राशि से निर्मित सीमेन्ट सड़क की गुणवत्ता चंद सालों के अंदर ही उभरकर आने लगी सबके सामने

हरिभूमि न्यूज/बारहाबड़ा। जहां विकास के नाम पर करोड़ो रूपया खर्च किये जाते है, मगर विकास कार्य के दौरान अधिकारियों द्वारा बरते जाने वाली उदासीनता का परिणाम इस तहर से देखने मिलता है कि शासन की राशि बर्बाद होने से नही चूक पाती है... ? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई चीचली क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम सूखाखैरी से बारहाबड़ा होते हुये सालीचौका तक मात्र कुछ साल पहले लगभग 76 करोड़ रूपया की लागत से निर्मित हुई सीमेन्ट सड़क को देखते हुये जान पड़ रहा है ?

बताया जाता है कि इस सीमेन्ट सड़क गुणवत्ता को लेकर तो सबाल निर्माण के शुरूआती दौर में ही उठनान शुरू हो गये थें। क्योंकि जब इस सीमेन्ट सड़क का निर्माण कार्य शुरू हुआ था तो उस दौरान निर्माण कार्य करने वाली कंपनी द्वारा छोटी मोटी पुलियों के निर्माण से शुरूआत की गई थी। जिसके चलते ग्राम बारहाबड़ा के पास निर्माणाधीन एक पुलिया निर्माण के दौरान ही धराशाही होने से निर्माण कार्य की सच्चाई उजागर होते हुये दिखाई पड़ने से नही चूक पा रही थी। इस सच्चाई को उस दौरान हरिभूमि द्वारा समय समय पर प्रमुखता से उजागर किया गया था। मगर संबंधित विभाग द्वारा किसी भी प्रकार से ध्यान नही देने का परिणाम इस तरह देखने मिला कि निर्माण कार्य करने वाली कंपनी द्वारा करोड़ो की राशि से बनाई गई इस सड़क निर्माण में अपनी मनमानी के सभी हदे पार करने में कोई कसर नही छोड़ी गई थी..? सीमेन्ट सड़क की एक ओर की पट्टी बनने के बाद जब दूसरी ओर की पट्टी का कार्य शुरू ही हुआ था और हाल में में निर्मित की गई सड़क की पट्टी जहां तहा से चिटकते हुये दिखाई देकर अपनी गुणवत्ता को उजागर करने लगी थी यानि की सड़क का निर्माण कार्य पूर्ण ही नही हो पाया था कि निर्माणाधीन सड़क पर जहां तहां से निकल रही दरारे तथा चटकती हुई सड़क निर्माण कार्य में अपनाई जाने वाली गुणवत्ता की सच्चाई को खुलकर उजागर करते हुये देखी जा रही थी। उस दौरान इस सच्चाई को हरिभूमि द्वारा लगातार उजागर किये जाने के बाद भी संबंधित विभाग द्वारा किसी भी प्रकार से ध्यान नही दिये जाने के कारण जहां करोड़ो की राशि से बनी यह सड़क निर्माण के दौरान से अधिकारियों की अनदेखी व निर्माण कार्य करने वाली कंपनी की मनमानी की भेंट चढ़ने से नही चूक पाई है..? इतना ही नही यदि 76 करोड़ रूपया की लागत से बनाई गई इस सड़क के अन्य निर्माण कार्यो पर नजर डाली जावे तो सड़क निर्माण के दौरान सूखाखैरी से बारहाबड़ा होते हुये सालीचौका के बीच सीमेन्ट सड़क का निर्माण कार्य करने के साथ साथ बीच में पड़ने वाली पुलियों का निर्माण कार्य भी इसी में शामिल होने की चर्चा सुनी जा रही है..? मगर इस इस सड़क पुलिये जहां निर्माण के दौरान ही जहां तहां से चटकते हुये देखी जा रही थी और वर्तमान समय में यानि की इस निर्माण को अभी मात्र कुछ साल का समय भी नही बीत पाया है और पुलियों के आलवा सड़क में जहां तहां निकल रहे गड्ढे निश्चित तौर से संबंधित विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों की कार्य प्रणाली को कटघरे में खड़ा करने से नही चूक पा रहे है तो दूसरी ओर पुलियों के ऊपर का हाल इस तरह से देखने मिल रहा है कि निर्माण के दौरान उपयोग की गई लोहे की सामग्री सड़क के बीचों बीच निकलते हुये अपनी गुणवत्ता को उाजागर करने के साथ साथ बड़ी दुर्घटनानओं को आमंत्रण देने से नही चूक पा रहा है...? वही बताया जाता है कि सड़क निर्माण का कार्य जिस प्रकार से पुलियों का नया निर्माण करने की जगह कंपनी द्वारा पुराने पुल व पुलियों के भरोसे ही पूर्ण किया जाना संपूर्ण क्षेत्र में चर्चा का विषय बनने से नही चूक रहा है? प्रमुख रूप से देखा जावे तो ग्राम बारहाबड़ा के समीप ऊमर नदी पर बने हुये पुल जिसके निर्माण को वर्षो बीत जाने के कारण जहां यह पुल जर्जर स्थिति में पहुंच जाने के बाद भी इस पुल का पुनः निर्माण होने की जगह मात्र उसे रंग रोकन करते हुये इस 76 करोड़ा रूपया की सड़क की जिन्दगी इस पुल के भरोसे ही छोड़ दिये जाने का परिणाम इस तरह से देखने मिल रहा है कि शासन की करोड़ो रूपया की राशि खर्च हो जाने के बाद जहां सड़क के साथ साथ अनेक पुल व पुलिया मात्र एक साल के अंदर ही टूटना शुरू हो चुकी थी तो दूसरी ओर सड़क पर जहां तहासं निकल रही लोहे की राडे वाहन चालको को खुलेआम मौत का आमंत्रण देने से नही चूक पा रही है..? इस प्रकार से सरकार द्वारा क्षेत्रवासियों को यातायात के लिये अच्छी सुविधाएं उपलब्ध कराने व युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त करने की सोच को ध्यान में रखते हुये ग्राम सूखाखैरी से बारहाबड़ा होते हुये सालीचौका पौड़ार तिरहा तक लगभग 76 करोड़ की लागत से सीमेन्ट सड़क का निर्माण कराया गया था। वह निश्चित तौर से विभाग के अधिकारियों की अनदेखी व मिली भगत के चलते तथा क्षेत्र के जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों की अनदेखी के कारण निश्चित तौर से भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ने से नही चूक पाया है..? क्योंकि करोड़ो रूपया की राशि से निर्मित हुई यह सीमेन्ट सड़क जिस तरह मात्र कुछ के उपरांत जिस तरह से टूटते हुये देखी जा रही है वह एक बडी गफलबाजी की ओर संकेत देने से नही चूक रही है..? इसी बात को लेकर क्षेत्रवासियों द्वारा उच्च स्तर की जांच की मांग उठाना शुरू कर दिया गया है। इस तरह इस सड़क को बने हुये कुछ साल ही निकले है और जहां तहां बडे गड्ढे के रूप में दिखाई देने लगी है तो अनेक जगहों पर निकल रही लोहे की राडे राहगीरों के लिये खुलेआम मौत का सायरन बजाने से नही चूक रही है? इस सच्चाई को हरिभूमि द्वारा लगातार उजागर किये जाने के बाद भी न तो यहां के जिम्मेदारों द्वारा ध्यान दिया गया है और न ही संबंधित विभाग के अधिकारियों द्वारा जिसका परिणाम है कि क्षेत्र के लिये शासन से मिली करोड़ो की सौगात मात्र बंदर बांट की भेट चढ़कर बर्बाद होने से नही बच पाई है? यदि उस समय भी क्षेत्र के जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों द्वारा टूट रही सड़क की सच्चाई पर अपनी गंभीरता का परिचय देते हुये इस सड़क निष्ठा के साथ जांच कराने के लिये आगे आये होते तो निश्चित तौर से निर्माण कार्य करने वाली कंपनी के साथ साथ मलाई खाने वाले अनेक अधिकारी बेनकाब होने से नही चूक पाते...?

तीन चिकित्सकों सहित प्रभारी अधिकारी को दिया नोटिस

सीएमएचओ का नगर के शासकीय चिकित्सालय का औचक निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। नगर के शासकीय चिकित्सालय में फैल रही अव्यवस्थाओं से लेकर चिकित्सको की कार्य प्रणाली के चलते जहां स्वास्थ्य विभाग की साख को बट्टा लगते हुये दिखाई देने से नही चूक रहा है तो दूसरी ओर मीडिया पर खबरे आने के चलते अधिकारियों की भूमिका पर भी सबाल खड़े होने से नही चूक रहे है। इसी के चलते बीते हुये दिव जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष कुमार मिश्रा ने नगर के सिविल अस्पताल का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति का विस्तृत जायजा लिया। बताया जाता है कि इस निरीक्षण के दौरान उन्होंने महिला एवं पुरुष वार्ड, लेबर रूम, ओपीडी तथा अस्पताल की साफ-सफाई व्यवस्था का अवलोकन किया और भर्ती मरीजों से चर्चा कर उन्हें उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं की जानकारी प्राप्त की। वही दूसरी ओर अधिकारी द्वारा अपने निरीक्षण के दौरान गर्भवती महिलाओं की जांच एवं प्रसव व्यवस्थाओं की समीक्षा में यह सामने आया कि फरवरी 2026 से 16 जुलाई 2026 तक अस्पताल में 243 सिजेरियन प्रसव किए गए, जो निर्धारित मानकों की तुलना में अधिक पाए

गए। इस पर गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए डॉ. मिश्रा ने डॉ. अनामिका जैन, डॉ. क्षिप्रा कौरव एवं डॉ. शिवानी सिंह को तत्काल कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। सीएमएचओ ने स्पष्ट किया कि सिजेरियन प्रसव केवल चिकित्सकीय आवश्यकता होने पर ही किया जाए तथा प्रत्येक गर्भवती महिला के लिए पहले सुरक्षित सामान्य प्रसव को प्राथमिकता दी जाए। इस दौरान उन्होंने कहा कि सभी चिकित्सकीय निर्णय मरीज के हित और वैज्ञानिक मानकों के अनुरूप ही लिए जाने चाहिए। डॉ. मिश्रा ने कहा, "चिकित्सकों को भगवान का दर्जा दिया जाता है और मानव सेवा हमारा सर्वोच्च धर्म है। यदि किसी भी शासकीय स्वास्थ्य संस्था में अनावश्यक सिजेरियन, लापरवाही या नियमों के विपरीत कार्य पाए गए, तो संबंधित दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।" निरीक्षण के दौरान कुछ लोगों द्वारा प्रसव अथवा अन्य सेवाओं के बदले धनराशि लेने की मौखिक शिकायत भी सामने आई। इस पर सीएमएचओ ने शिकायतकर्ताओं से लिखित शिकायत प्रस्तुत करने का आग्रह किया और आश्वस्त किया कि जांच में दोषी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा रात्रिकालीन ड्यूटी में महिला चिकित्सकों की तैनाती निर्धारित नियमों के अनुरूप नहीं पाए जाने पर प्रभारी अधिकारी डॉ. उपेन्द्र वास्तकार को भी कारण बताओ नोटिस जारी करने के साथ ही निर्देश दिए गए कि भविष्य में शासन के निर्धारित रोस्टर के अनुसार ही ड्यूटी लगाई जाए, ताकि मरीजों को बेहतर और सुरक्षित स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें। सीएमएचओ ने कहा कि इस तरह सभी शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों में गुणवत्ता, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए इस प्रकार के औचक निरीक्षण लगातार जारी रहेंगे।

सांसद चौधरी ने ग्राम लिलवानी में विकास कार्यों का किया लोकार्पण

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। क्षेत्र के सांसद दर्शन सिंह चौधरी और विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल ने शनिवार को ग्राम पंचायत लिलवानी में विभिन्न विकास कार्यों का विधिवत पूजन-अर्चन कर लोकार्पण किया। उन्होंने 49 लाख रुपए की लागत से निर्मित उपस्वास्थ्य केंद्र का लोकार्पण किया गया। इसके साथ ही 12 लाख रुपए एवं 4.86 लाख रुपए की लागत से नवनिर्मित बनने वाली सीसी सड़क निर्माण कार्यों का भी लोकार्पण कर शुभारंभ किया। इन कार्यों से ग्रामवासियों को स्वास्थ्य सेवाओं एवं आवागमन की बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अतिथियों ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है। प्रदेश में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, सिंचाई, उद्योग, कृषि एवं आधारभूत संरचना के क्षेत्र में तेजी से कार्य किए जा रहे हैं। जनकल्याणकारी

योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के माध्यम से आमजन के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए सरकार सतत प्रयासरत है। इस अवसर पर रमाकांत शर्मा, हरिप्रताप ममार, अशोक मिश्रा, भास्कर पटेल, रमेश कौरव, श्रवण कौरव, जिला पंचायत सदस्य धनंजय पटेल, जनपद सदस्य भागवेंद्र कौरव सहित अन्य जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

नगर के दूर संचार केन्द्र में लगे मधुमक्खी के छित्तनों से फैल रही दहशत

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। इस समय जहां एक ओर बीएसएनल के उपभोक्ता खस्ताहाल हो रही नेटवर्क व्यवस्थाओं के चलते परेशान हो ही रहे है साथ ही साथ दूर संचार केन्द्र में अन्य फैली हुई व्यवस्थाओं से भी उपभोक्ताओं को संतुष्ट होते हुए नही देखा जा रहा है? क्योंकि इस समय यदि दूसर संचार केन्द्र में देखा जावे तो देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा भले ही संपूर्ण देश में स्वच्छता अभियान चलाते हुए शासकीय कार्यालयों के अधिकारियों को अपने सभी कार्यालयों में स्वच्छत वातावरण बनाने के आदेश दिये है। मगर केन्द्र सरकार के अधीन माने जाने वाले दूर संचार केन्द्र इस समय पूर्णरूप से गंदगी के आगोश में समाया हुआ दिखाई पड़ रहा है...? इतना ही नही इस केन्द्र के भवन में लगे हुए मधु मंखियों के छित्तानों की स्थिति को देखते हुए अपने जरूरी कार्यो से पहुंचने वाले उपभोक्ताओं में दशहत देखने मिल रही है? क्योंकि दूर संचार केन्द्र के भवन में भारी मात्रा में लगे हुए मधु मंखी छित्तानों को देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि कही यह मधुमंखी किसी के ऊपर हमला न बोल दे यदि ऐसा होता है कि निश्चित ही उसकी जान खतरे से खानी नही रह पायेगी।

आंगनबाड़ियों में मंगल दिवस योजना बदहाल, सक्षम अधिकारियों की कार्यशैली पर खड़े हो रहे सवाल?

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा। सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएँ अपने गंतव्य स्थानो पर पहुंचा तो दी जाती है। किन्तु उसके संचालन के लिए जिन अधिकारियों और कर्मचारियों को जिम्मेदारियां सौंपी जाती है वे पूरी तरह से लापरवाही की भेंट चढ़ जाती है। कुछ ऐसा ही जनपद पंचायत सांईखेड़ा क्षेत्र की अनेक आंगनवाड़ियो मे देखने को मिल रहा है। जहां मंगल दिवस योजना अमंगल दिवस बनती हुई नजर आ रही है? दर असल आंगनवाडी केन्द्रो मे पोषण आहार योजनार्तगत हर माह के मंगलवार के दिन विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाना है। किन्तु इन कार्यक्रमो में भी जमकर पलीता लगाते हुए जान पड़ रहा है? ग्रामीण क्षेत्रों में जन चर्चाओं के माध्यम से मिल नही जानकारियों के अनुसार अनेक आंगनवाड़ियों में यह योजनाए बराबर संचालित नही होती है, जिसमें देखा जावे तो सबसे दयनीय हालत ग्रामीण व दूरस्थ क्षेत्रों के आंगनवाडी केन्द्रों की है जहां न तो विभाग के अधिकारी और न ही कोई कर्मचारी निरीक्षण करने पहुंचता है? ऐसे में नाम मात्र की कार्रवाई कर दी जाती है। इन आंगनवाडियों की स्थिति की सच्चाई पर गौर किया जाए तो वे बदहाल स्थिति से जूझ रही है न वहां बैठने की पर्याप्त व्यवस्था है और न ही सामान रखने की है। वही कुछ आंगनवाडी भवनों की हालत जर्जर हो चुकी तो कुछ टूटे मकानों में संचालन हो रहा है। इस तमाम बातो पर ध्यान तो ऐसे में योजनाओं का संचालन कैसा होगा यह स्वयं सिद्ध है, पर्याप्त मात्रा में आने वाली राशि कब और किधर जा रही है इसका कोई पता भी नही, जिन कार्यक्रमों का संचालन किया जाना चाहिए उसके लिए सामग्री भी नही मिलती ओर मिलती भी है तो गायब हो जाती है। आंगनवाड़ियों के माध्यम से बच्चो, महिलाओं और किशोरी बालिकाओं की देखभाल और उनके स्वास्थ्य मे सुधार लाने के लिए जो तैयारियां की गई है उसमे दिल चस्पी ना तो आंगनवाड़ियो की कार्यकर्तता और सहायिकाओं में है और ना ही अधिकारियों मे, आंगनवाडियों मे मंगल दिवस योजना पोषण आहार योजना वर्ष 2007-08 के तहत बनाई गई है, जिसके तहत हर माह के मंगलवार को अलग अलग कार्यक्रम करना है, प्रथम मंगलवार को गोद भराई, दूसरे मे अन्न प्राशन, तीसरे मे जन्म दिवस और चौथे मंगलवार को किशोर बालिका दिवस मनाना है। कार्यक्रम का उद्धेश्य बच्चो की उपस्थिति बढ़ाना, सुरक्षित प्रसव, मातृ एवं शिशु मृत्युदर मे कमी कुपोषण कम करना, किशोरी बालिकाओ को आयरन फोलिक ऐसिड व डी वार्मिंग की गोलिया वितरण करना है। मंगल दिवस योजना का क्रियान्वयन बराबर न होने से संबंधित क्षेत्रो में भी लोगो को इन केंद्रो पर भरोसा उठ रहा है, बदहाल और बच्चो को बराबर ध्यान न दिए जाने के चलते यहां कार्रवाई होना निहायत जरूरी हो गई है।

पंचायतों में पति राज खत्म करने निर्णय के बाद भी स्थिति में नहीं हुआ सुधार, आज भी पत्नियों की कुर्सी पर जलवा दिखा रहे पतिदेव?

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। जहां एक ओर देखा जा रहा है कि संविधान में महिलाओं को आरक्षण देते हुए उन्हें अग्रसर किया जा रहा है। मगर अक्सर देखा जाता है कि जिन क्षेत्रों में महिलाएं आगे बढ़ने का प्रसास करती है उन क्षेत्रों में उनके पतियों द्वारा उनकी कुर्सी पर कब्जा करते हुए उन्हें पीछे की ओर करने में कोई कसर नही छोड़ते है? जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो पंचायती राज व्यवस्था से लेकर नगर पालिकाओं पर सरपंच पतियों से लेकर पार्षद पतियों का ही बोलबाला देखने मिलता है, जिसमें प्रमुख रूप से गौर किया जावे तो पंचायती राज में तो महिला सरपंच या जनपद सदस्य मात्र नाम की ही होती है बोलबाला तो उनके पतियों का ही रहता है? यहां तक की सरपंच पतियों द्वारा अपने आप को सरपंच प्रतिनिधि बताने या फिर अपने वाहनों में लिखने से भी नही चूकते है। जबकि नियम के अनुसार तो बताया जाता है कि निर्वाचित प्रतिधिनियों के प्रतिनिधि होने का कालम विधायक तक हो होता है? विधायक के नीचे प्रतिनिधि का कालम होता ही नही है..? मगर इसके बाद भी सरपंच पति अपने आप को सरपंच प्रतिनिधि मानते हुए पंचायतों की कार्यवाही में सबसे आगे देखे जाते है तो कुछ इसी प्रकार का हाल नगर पालिका से लेकर नगर परिषदों का देखने मिलता है जहां पर पार्षद पतियों की मौजूदगी देखी जाती है? इस बात की सच्चाई इस समय क्षेत्र की ग्राम पंचायतों से लेकर नपा कार्यालयों से लेकर जनपद व ग्राम पंचायतों में

आसानी से देखने मिल रही है। जहां पर बताया जाता है कि लम्बे अरसे महिला जनप्रतिनिधियों के राज करने की मिसालें पूर्व में मिलती रही है। हालत यह थी कि महिला जनप्रतिनिधियो के पतिदेव इन संस्थाओं के कार्यो में दखलन दाजी का प्रयास तो करते हुये देखे ही जाते है साथ ही कभी कभार इन जिम्मेदार मानी जानी वाली संस्थाओं की बैठकों में भी तशरीफ लाने से भी नही चूकते है। किंतु महिला जनप्रतिनिधियों के पतियों की मनमानी पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से लगभग दो साल पहले म.प्र. शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने जिला पंचायत, जनपद पंचायत, ग्राम पंचायत की बैठकों से लेकर अन्य कार्यक्रमों में चुने हुए महिला जनप्रतिनिधियों के साथ उनके सम्बंधियो के शामिल होने पर रोक लगाने के आदेश जारी किये गये थें जिसमें प्रमुख रूप से गौर किया जावे तो स्वायत्तशायी संस्थाओं में महिला जनप्रतिनिधियों के सम्बंधियो के हस्तक्षेप को अनुचित बताते हुए शासन द्वारा लिए गये उक्त निर्णय की लोगों द्वारा सराहना की गई थी और इस निर्णय का पालन करने के लिए संबंधित विभाग के अधिकारियों के आलवा जिला स्तर के अधिकारियों को जिम्मा भी सौपा गया था कि इस निर्णय का कठोरता के साथ पालन होना चाहिए। मगर इस आदेश को लगभग एक वर्ष से भी अधिक का समय बीत जाने के बाद भी स्थिति जहां की तहां नजर आ रही है। क्योंकि इस आदेश की ओर न तो प्रशासनिक अधिकारी ध्यान दे रहे है और न ही इसका पालन हो रहा है? जिसके चलते आज भी अनेक जगहों पर महिला जनप्रतिनिधियों के पतियों द्वारा अपनी पत्नी की कुर्सियों पर जलबे दिखाते हुए आसानी से देखा जा रहा है? इस प्रकार की स्थिति के चलते जहां महिला आरक्षण नियम पर तो प्रश्न लग रही रहा है। वही दूसरी ओर सरकार की मंशा अनुसार महिलाओं की स्वतंत्रता का भी हनन होते हुए देखा जा रहा है। इस प्रकार की सच्चाई के चलते जहां अनेक जगहों पर निर्वाचित हुई महिला जनप्रतिनिधि मात्र चौका चूल्हा तक की सीमित होकर रह गई है और उनका निर्वाचित होना मात्र एक औपचारिकता बना हुआ देखने मिल रहा है? जबकि गौर किया जावे तो संविधान में मातृशक्ति को जिस सोच के साथ आरक्षण देते हुए उन्हें आगे बढ़ने का मौका दिया गया है और उसका पूरा लाभ मातृशक्ति को मिलने लगे तो निश्चित तौर से देश की सूरत बदलने में देर नही लग सकती है। मगर इस ओर प्रशासन की उदासीनता के चलते संभव होते हुए दिखाई नही पड़ रहा है।

सोसाईटी का माल बिक रहा किराना दुकानों पर बिचौलिया हो रहे मालामाल

हरिभूमि न्यूज/चीचली। शासन द्वारा गरीबी रेखा एवं अति गरीबी रेखा के अंतर्गत आने वाले लोगों के लिये सेवा सहकारी समितियों से सस्ता अनाज उलब्ध कराने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो इस योजना में शामिल हितग्राहियों को शासन द्वारा एक रूपया किलों गेंहू व चांवल हर माह प्रदान किये जा रहे है। मगर वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि इस प्रकार से खाद्यान्य वितरण केन्द्रो के ठीक सामने कुछ बिचुलियाँ नुमा लोगों द्वारा अपनी अनाज खरीदने की दुकान लगाते हुये उन गरीबों को प्रलोभन देते हुये उनका माल सस्ते दामों में खरीदते हुये उसे बाजार में महंगा बेचते हुये मालामाल होने से नही चूक पा रहे है? इस प्रकार से खाद्यान्य वितरण केन्द्रो के सामने संचालित होने वाले अनाज खरीदी करने वाले दुकानों की सच्चाई से प्रशासनिक अधिकारी भी अनजान नही है। मगर किसी भी प्रकार की कार्यवाही नही होने के कारण उनके हौसले लगतार बुलंद होते हुये दिखाई देने से नही चूक पा रहे है, जिसके चलते गरीबों को शासकीय दुकानों से मिलने वाले अनाज पर इस प्रकार से बिचुलियाँनुमा लोग अपनी दृष्टि जमाये हुये मालामाल होते हुये दिखाई दे रहे है।

शहरों के बाद अब ग्रामीण क्षेत्रों में अपना जाल फैलाते हुये बेरोजगारों को भ्रमित करते हुये देखी जा रही अनेक निजी कंपनियां...

हरिभूमि न्यूज/ सालीचौका। इस समय देखा जा रहा है कि शहरों के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी बेरोजगार युवकों को ठगने का सिलसिला खुलेआम देखने मिल रहा है? जिसमें जिसमें देखा जा रहा है कि आये दिन नित्य नयी नयी कंपनियाँ ग्रामीण क्षेत्रों में अपने पैर पसार रही हैं और बेरोजगार युवकों को बहला फुसलाकर उन्हें रातो रात लखपति बनाने का सपना दिखाते हुये अपने जाल में फाँस रही हैं और ताज्जुब की बात तो यह है कि इन कंपनियों के ऐजेंट शहरों से लेकर गाँव गाँव तक घूमकर बेरोजगारों को सुनहरे सपने दिखाते हैं और उन्हें कुछ ही महीनों में लखपति बनने के आसमानी सपने दिखाकर उनसे एक मुश्त रकम लेकर उनको अपना एजेन्ट बना लेते हैं, इस तरह से क्षेत्र में अनेक कंपनियाँ अपना रोजगार फैलाये हुये हैं। वही लोगों का आरोप है कि इन तथा कथित कंपनियों के उत्पाद इतने महँगे हैं कि इन्हें खरीद ही नहीं सकते चूँकि जो भी व्यक्ति रकम जमा कर इन कंपनियों का एजेन्ट बन जाता है तो उसे दूसरा एजेन्ट बनाने का कार्य दिया जाता है और वह निकल जाता है किसी बेरोजगार को अपना एजेन्ट बनाने और कम से कम समय में लखपति बनाने के रंगीन सपने दिखाकर दूसरे को भी फाँस लिया जाता है और बोला ताजा है कि तुमको घर बैठे पैसा मिलेगा एक बार इस काम को शुरू तो करो फिर देखना कितनी कमाई होती है,क्योंकि जो एजेन्ट दूसरा एजेन्ट नहीं बनाता है उसे कमीशन नहीं मिलता है इसलिये एक दूसरे को फँसाते रहते हैं ना तो कोई दो महीने में लखपति बना है और ना ही बनेगा? इस प्रकार की जिनती भी कंपनियाँ इस क्षेत्र में काम कर रही हैं वह युवकों को गुमराह कर पैसा ऐंठने का कार्य कर रहीं हैं,पढ़े लिखे युवक उनकी बातों में आकर लखपति बनने का सपना देखकर वह अपना पैसा फंसाकर कंपनी के लिये काम करना शुरू कर देते हैं।

क्षेत्र की सड़कों पर बिना नम्बर के चल रहे सैकड़ों टैक्ट्रर से दुर्घटना की बनी आशंका

हरिभूमि न्यूज/नांदनेर। जहां एक ओर प्रशासन द्वारा क्षेत्र के अनेक जगहों पर चैकिंग प्यांट लगाकर वाहनों की चैकिंग तो की जा रही है, मगर इसके बाद भी जिस प्रकार से प्रशासन द्वारा ऐसे वाहनों को नजर अंदाज किया जा रहा है जो वर्षो से बगैर नम्बर प्लेट के दौड़ रहे है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो ट्रेक्टर क्षेत्र में रेत, मुरूम का अवैध उत्खनन लगातार हो रहा है, एक तरफ जहां कभी कभी विभाग द्वारा इस ओर कार्रवाई की जा रही है। वही अवैध उत्खनन करने वाले अपने उत्खनन के दौरान अधिकांशत रेत कोरोबारी उन ट्रेक्टरों को उपयोग में ला रहे है जिनमें नम्बर नही लिखा हुआ है, इस प्रकार से बगैर नम्बरों के टेक्ट्ररों से ढुलाई कराने के चलतें जहां एक तरफ राजस्व को लाखों का नुकसान हो रहा है। वही इस पर अभी तक आर टी ओ विभाग द्वारा किसी प्रकार की कार्यवाही नही किये जाने कारण इन टेक्टर वालों के हौसले बुलंद है, क्षेत्र की सड़कों पर इस प्रकार से सैकड़ो ऐसे ट्रेक्टर बगैर नम्बर चल रहे है, जिनमें देखा जावे तो अधिकांश अवैध उत्खनन के कार्य में संलिप्त है? टैक्टरों में जहां एक तरफ बिना नम्बर होने के चलते दुर्घटना के बाद इनकी पहचान करना मुश्किल हो जाती है।

आकांक्षी विकासखंड मेहंदवानी पहुंचीं कलेक्टर, योजनाओं के क्रियान्वयन और व्यवस्थाओं का लिया जायजा

डिंडौरी। कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया ने शनिवार को आकांक्षी विकासखंड मेहंदवानी का दौरा कर विभिन्न शासकीय संस्थानों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की जमीनी स्थिति का निरीक्षण किया। उन्होंने खाद्य विभाग, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र राई, सांदीपनी विद्यालय राई, ग्राम जरहा नैझर में संचालित 'मां की बगिया', जनकल्याण शिविर तथा एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय मेहंदवानी का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी दिव्यांशु चौधरी, एसडीएम शहपुरा ऐश्वर्य वर्मा, संयुक्त कलेक्टर भारती मेरावी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।खाद्य विभाग के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने फसल बीमा योजना, किसानों के पंजीयन, दावों के निराकरण तथा खाद वितरण व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने टोकन प्रणाली के माध्यम से पारदर्शी एवं व्यवस्थित खाद वितरण सुनिश्चित करने तथा वर्तमान कृषि सीजन को देखते हुए पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध रखने के निर्देश दिए।प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र राई में कलेक्टर ने भर्ती मरीजों से बातचीत कर स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता का जायजा लिया। उन्होंने दवाओं की उपलब्धता, स्टाफ की उपस्थिति, अभिलेखों के संधारण और साफ-सफाई व्यवस्था का निरीक्षण

करते हुए मरीजों को समय पर गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। सांदीपनी विद्यालय राई में शैक्षणिक एवं आधारभूत व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए उन्होंने परिसर में छायादार एवं फलदार पौधों का रोपण, बाउंड्री वॉल को सुरक्षित बनाने तथा परिसर के सौंदर्यीकरण और साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।ग्राम जरहा नैझर में 'मां की बगिया' का निरीक्षण करते हुए कलेक्टर ने हितग्राही गायत्री और सुभाष द्वारा एक एकड़ भूमि में लगाए गए आम एवं चिरौंजी के पौधों की सराहना की। उन्होंने कहा कि फलदार पौधों का रोपण पर्यावरण संरक्षण के साथ ग्रामीण परिवारों की आय बढ़ाने का प्रभावी माध्यम है तथा अन्य पात्र हितग्राहियों को भी इससे जोड़ा जाए। जनकल्याण शिविर में कलेक्टर ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन किया और हितग्राहियों से संवाद कर योजनाओं की जानकारी ली। शिविर में टीबी मरीजों को पोषण किट वितरित की गई तथा कृषि विभाग ने किसानों को विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। अधिकारियों ने समग्र आईडी, आधार कार्ड, संबल कार्ड सहित अन्य योजनाओं से संबंधित समस्याओं का निराकरण कर आवश्यक

मार्गदर्शन भी प्रदान किया। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि प्रत्येक पात्र हितग्राही को समय पर योजनाओं का लाभ मिले तथा सभी विभाग पारदर्शिता के साथ कार्य करें। उन्होंने दुग्ध समृद्धि अभियान के माध्यम से ग्रामीणों को आय बढ़ाने के लिए दुग्ध उत्पादन अपनाने के लिए भी प्रेरित किया।एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय मेहंदवानी के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने शैक्षणिक एवं आवासीय व्यवस्थाओं का जायजा लिया। पेयजल समस्या की जानकारी मिलने पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को शीघ्र स्थायी समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। विद्यालय में वर्तमान में 475 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं तथा कौशल शिक्षा का संचालन भी किया जा रहा है। कलेक्टर ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय परिसर में "नशे से दूरी है जरूरी" अभियान के तहत विद्यार्थियों एवं स्टाफ को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई। कलेक्टर ने विद्यार्थियों से नशे से दूर रहकर शिक्षा, स्वास्थ्य और व्यक्तित्व विकास पर ध्यान देने तथा समाज में नशा मुक्ति के प्रति जागरूकता फैलाने का आह्वान किया।

खबर संक्षेप

एसडीओपी ने किया शिवनिल नशा मुक्ति केंद्र का औचक निरीक्षण, मरीजों का बढ़ाया उत्साह

डिंडौरी । जिले में नशामुक्ति के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से संचालित 'नशे से दूरी है जरूरी 2.0' अभियान के तहत शनिवार को एसडीओपी सतीश द्विवेदी के नेतृत्व में पुलिस प्रशासन की टीम ने शिवनिल नशा मुक्ति एवं मनोचिकित्सा केंद्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने भर्ती मरीजों से मुलाकात कर उपचार एवं उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली तथा उनका उत्साहवर्धन किया।एसडीओपी द्विवेदी के साथ सिटी कोतवाली थाना प्रभारी दुर्गा प्रसाद नागपुरे, यातायात प्रभारी सुभाष उइके तथा माय भारत संस्था के प्रतिनिधि आर.पी. कुशवाहा भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने मरीजों के साथ कैरम खेला, भजन-कीर्तन एवं ध्यान सत्र में भाग लिया और सभी को दोबारा नशा न करने की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि नशामुक्त समाज के निर्माण में प्रत्येक व्यक्ति की भागीदारी आवश्यक है। इधर, दिव्य ज्योति सोशल डेवलपमेंट सेंटर द्वारा संचालित अभियान के अंतर्गत कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय समनापुर एवं शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय समनापुर में नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम में विद्यार्थियों और शिक्षकों को नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई तथा ओरिएंटेशन सत्र के माध्यम से नशामुक्त जीवन अपनाने का संदेश दिया गया।इस दौरान जागरूकता पंपलेट वितरित किए गए, सभी को नशा न करने की शपथ दिलाई गई तथा विद्यालय परिसर और आसपास के क्षेत्र में जागरूकता रैली निकालकर आमजन को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया गया।कार्यक्रमों में विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षक, छात्र-छात्राएं एवं स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। केंद्र प्रबंधन ने बताया कि जिलेभर में विद्यालयों, महाविद्यालयों, ग्राम पंचायतों एवं सार्वजनिक स्थलों पर लगातार जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं, ताकि युवाओं और आमजन को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराकर नशामुक्त समाज के निर्माण में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जा सके।

नाली में बिछा दी पेयजल पाइप लाइन, ग्रामीणों में आक्रोश

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जनपद पंचायत अनूपपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत बदरा में पेयजल पाइपलाइन विस्तार कार्य में कथित अनियमितताओं का मामला सामने आया है। आरोप है कि स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए बिछाई जा रही पाइपलाइन को निर्धारित तकनीकी मानकों का पालन करने के बजाय सीधे गंदे पानी की नाली के भीतर डाल दिया गया। हैरानी की बात यह है कि यह कार्य जनपद पंचायत कार्यालय और पंचायत भवन से महज 10 मीटर की दूरी पर किया जा रहा है, जहां से प्रतिदिन जिम्मेदार अधिकारी और कर्मचारी गुजरते हैं, लेकिन किसी ने भी इस पर आपत्ति नहीं जताई। ग्रामीणों का कहना है कि पाइपलाइन को नाली के भीतर बिछाना न केवल सरकारी निर्माण मानकों का उल्लंघन है।

राजूशा स्कूल में अभिभावकों की प्रथम पेरेंट्स-टीचर्स मीटिंग संपन्न

डिंडौरी। राजूशा हायर सेकेंडरी स्कूल में शनिवार को सत्र 2026-27 के नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं के अभिभावकों के लिए प्रथम पेरेंट्स-टीचर्स मीटिंग आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य नए अभिभावकों को विद्यालय की कार्यप्रणाली, शैक्षणिक व्यवस्था एवं विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास से संबंधित गतिविधियों की जानकारी देना था।बैठक में शिक्षकों ने अभिभावकों को विद्यार्थियों की पढ़ाई, अनुशासन, नियमित उपस्थिति तथा विद्यालय के नियमों के पालन के महत्व से अवगत कराया। साथ ही बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए अभिभावकों एवं

शिक्षकों के बीच निरंतर संवाद और सहयोग बनाए रखने पर जोर दिया गया।कार्यक्रम के दौरान सभी शिक्षकों ने अपना परिचय देते हुए अपने-अपने दायित्वों तथा विद्यालय में संचालित शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी साझा की। अभिभावकों ने भी अपने विचार एवं सुझाव रखे तथा विद्यालय की पहल की सराहना की।विद्यालय के प्राचार्य डॉ. राजबहादुर सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में विद्यालय और अभिभावकों की साझेदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने अभिभावकों का आभार व्यक्त करते हुए बच्चों की शिक्षा और संस्कार के लिए निरंतर सहयोग का आह्वान किया।बैठक के उपरांत नवप्रवेशित विद्यार्थियों की प्रथम यूनिट टेस्ट की उत्तरपुस्तिकाएं अभिभावकों को दिखाकर उनकी शैक्षणिक प्रगति से अवगत कराया गया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक सोनू पनेरिया ने किया।

घानाघाट हाई स्कूल में एसडीएम का औचक निरीक्षण, बंद मिला विद्यालय

डिण्डौरी। कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया के निर्देश पर शनिवार को एसडीएम डिण्डौरी रामबाबू देवांगन ने शासकीय हाई स्कूल घानाघाट एवं एकीकृत माध्यमिक शाला घानाघाट का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय संचालन, शिक्षकों की उपस्थिति एवं शैक्षणिक व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया।निरीक्षण के समय सुबह लगभग 10:30 बजे शासकीय हाई स्कूल घानाघाट का मुख्य द्वार बंद मिला, जबकि छात्र-छात्राएं विद्यालय परिसर के बाहर बैठे हुए थे। प्राचार्य श्री रामलाल रजक भी मौके पर अनुपस्थित पाए गए तथा अन्य शिक्षक भी निर्धारित समय के बाद विद्यालय पहुंचे। इस पर एसडीएम श्री देवांगन ने नाराजगी व्यक्त करते हुए विद्यालय का संचालन समय पर सुनिश्चित करने और सभी शिक्षकों को नियमित एवं समय से उपस्थित रहने के निर्देश दिए।

एसडीएम ने विद्यार्थियों से चर्चा कर उनकी पढ़ाई, सामान्य ज्ञान और भविष्य की योजनाओं की जानकारी ली। उन्होंने छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी अभी से शुरू करने, नियमित अध्ययन करने तथा लक्ष्य निर्धारित कर मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक शनिवार सामान्य ज्ञान की विशेष कक्षा संचालित

करने के निर्देश भी दिए।इसके बाद एसडीएम ने एकीकृत माध्यमिक शाला घानाघाट का निरीक्षण किया, जहां सभी शिक्षक उपस्थित मिले। उन्होंने मध्यान्ह भोजन व्यवस्था का अवलोकन करते हुए विद्यार्थियों को प्रतिदिन गुणवत्तापूर्ण एवं निर्धारित मानकों के अनुरूप भोजन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही विद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता, अनुशासन एवं नियमित शैक्षणिक गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संचालित करने पर विशेष बल दिया।

अल्पविराम कार्यशाला में आत्मचिंतन और आनंदम जीवन शैली पर हुआ मंथन

डिंडौरी। राज्य आनंद संस्थान के मार्गदर्शन में जनजातीय कार्य विभाग द्वारा शनिवार को "अल्पविराम" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का उद्देश्य छात्रावास अधीक्षकों में आत्मचिंतन, मानसिक संतुलन, तनाव प्रबंधन तथा आनंदम जीवन शैली के प्रति जागरूकता विकसित करना था। इसमें जिले के 145 छात्रावास अधीक्षकों ने सहभागिता की।कार्यक्रम में विधायक ओमप्रकाश धुर्वे एवं जिला पंचायत उपाध्यक्ष अंजू जितेन्द्र ब्यौहार विशेष रूप से उपस्थित रहे। विधायक धुर्वे ने कहा कि जीवन की व्यस्तताओं के बीच स्वयं के लिए कुछ समय निकालना और अपनी अंतरात्मा की शक्ति को पहचानना ही वास्तविक 'अल्पविराम' है। इससे सकारात्मक सोच विकसित होती है और व्यक्ति बेहतर निर्णय लेने में सक्षम बनता है।

उद्घाटन सत्र में कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया, संयुक्त कलेक्टर भारती मेरावी, राज्य आनंद संस्थान के प्रदेश कार्यक्रम समन्वयक आकाश दुबे तथा जनजातीय कार्य विभाग के सहायक आयुक्त राजेन्द्र जाटव उपस्थित रहे। अतिथियों ने प्रतिभागियों से तनावमुक्त एवं संतुलित जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया।कार्यशाला में मास्टर ट्रेनर अनिल कांबले, मनीषा कांबले एवं मंजूषा शर्मा ने विभिन्न गतिविधियों, संवाद सत्रों और अभ्यासों के माध्यम से आत्मबोध, सकारात्मक सोच, मानसिक स्वास्थ्य, तनाव प्रबंधन एवं आनंदम जीवन शैली के विभिन्न आयामों पर प्रशिक्षण दिया। प्रतिभागियों ने भी अपने अनुभव साझा करते हुए कार्यशाला को उपयोगी एवं प्रेरणादायी बताया।

सिकल सेल एनीमिया से बचाव के लिए विद्यार्थियों को किया जागरूक, विवाह पूर्व जांच पर दिया जोर

डिंडौरी। जनजातीय क्षेत्रों में सिकल सेल एनीमिया के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय डिंडौरी में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्रणाम नर्मदा युवा संघ एवं जन स्वास्थ्य सहयोग, गनियारी के संयुक्त तत्वावधान में हुआ। इसमें विद्यार्थियों को सिकल सेल एनीमिया के कारण, लक्षण, बचाव और प्रबंधन की विस्तृत जानकारी दी गई।विशेषज्ञों ने बताया कि सिकल सेल एनीमिया एक अनुवांशिक बीमारी है, जो माता-पिता से बच्चों में पहुंचती है। इस बीमारी में लाल रक्त कोशिकाओं का आकार हंसिया जैसा हो जाता है, जिससे शरीर में ऑक्सीजन का संचार प्रभावित होता है और कई प्रकार की स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।कार्यक्रम में सिकल सेल एनीमिया से जुड़ी भ्रांतियों और अंधविश्वासों को दूर करने पर भी जोर दिया गया। विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को बीमारी के प्रकार, लक्षण, संभावित जटिलताओं तथा जेनेटिक काउंसलिंग की जानकारी देते हुए

विवाह से पूर्व सिकल जांच और 'सिकल कुंडली' के महत्व को समझाया। उन्होंने कहा कि विवाह पूर्व जांच और सिकल कुंडली का मिलान अगली पीढ़ी में इस बीमारी की संभावना को काफी हद तक कम करने में सहायक हो सकता है।विशेषज्ञों ने बताया कि गर्भावस्था के दौरान समय पर जांच से भी बीमारी की पहचान संभव है, जिससे चिकित्सकीय परामर्श के आधार पर उचित निर्णय लिए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि सिकल सेल एनीमिया का पूर्ण उपचार फिलहाल उपलब्ध नहीं है, लेकिन नियमित दवा, संतुलित दिनचर्या, पर्याप्त पानी का सेवन, संक्रमण से बचाव और समय-समय पर चिकित्सकीय परामर्श से रोगी सामान्य जीवन व्यतीत कर सकता है।कार्यक्रम में डॉ. विकास चंदेल ने सिकल सेल एनीमिया के वैज्ञानिक पहलुओं पर प्रकाश डाला। वहीं जन स्वास्थ्य सहयोग की परामर्शदाता रेनू साहू, नयनवती मरावी, ओमप्रकाश बैगा और ईश्वर मोहले ने विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए बीमारी की रोकथाम और प्रबंधन से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी साझा की।विद्यालय की प्रभारी प्राचार्य उपासना चौबे ने कहा कि इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम विद्यार्थियों और समाज में सिकल सेल एनीमिया के प्रति सही जानकारी पहुंचाने तथा भविष्य में इसके प्रभाव को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में वरिष्ठ शिक्षिका ललिता डेनियल सहित विद्यालय परिवार के सदस्य और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

वैज्ञानिक खेती का प्रशिक्षण लेकर लौटे 455 किसान मूंगफली-तिल की उन्नत तकनीकों की दी जानकारी

अमरपुर । किसानों की आय बढ़ाने और वैज्ञानिक खेती को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उद्योगिनी संस्था एवं कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) डिंडौरी के संयुक्त तत्वावधान में अमरपुर विकासखंड के 16 गांवों में मूंगफली एवं तिल की उन्नत खेती पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में 455 किसान एवं महिला किसानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों ने किसानों को उन्नत बीज चयन, बीजोपचार, खेत की वैज्ञानिक तैयारी, बुवाई की आधुनिक विधियां, संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन, खरपतवार नियंत्रण, सिंचाई, कीट एवं रोग

प्रबंधन, फसल कटाई और सुरक्षित भंडारण की तकनीकों की जानकारी दी। विशेषज्ञों ने कहा कि वैज्ञानिक पद्धति से खेती अपनाकर कम लागत में अधिक उत्पादन और बेहतर गुणवत्ता प्राप्त की जा सकती है।

प्रशिक्षण में कृषि विज्ञान केंद्र के निदेशक डॉ. देशमुख सहित डॉ. गीता सिंह, डॉ. शिवता सिंह और डॉ. अवधेश पटेल ने किसानों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित किया।उद्योगिनी संस्था के प्रतिनिधियों ने बताया कि संस्था ग्रामीण परिवारों, विशेषकर महिला किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कृषि आधारित आजीविका कार्यक्रम लगातार संचालित कर रही है। इसी उद्देश्य से किसानों को नई तकनीकों से जोड़कर उनकी उत्पादकता और आय बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है।प्रशिक्षण में शामिल किसानों ने कार्यक्रम को उपयोगी बताते हुए कहा कि विशेषज्ञों से मिली जानकारी का उपयोग वे आगामी फसल सीजन में करेंगे, जिससे बेहतर उत्पादन और अधिक लाभ प्राप्त किया जा सकेगा।

भगवान श्रीराम पर कथित आपत्तिजनक पोस्ट मामले में युवक के खिलाफ प्रकरण दर्ज, पुलिस जांच में जुटी

डिंडोरी।

सोशल मीडिया पर भगवान श्रीराम को लेकर कथित आपत्तिजनक पोस्ट किए जाने के मामले में शहपुरा पुलिस ने शिकायत के आधार पर प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले को लेकर अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद एवं राष्ट्रीय बजरंग दल के पदाधिकारियों ने थाना पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई थी और संबंधित व्यक्ति के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की मांग की थी।राष्ट्रीय बजरंग दल के महामंत्री हिमांशु अग्रवाल की ओर से थाना प्रभारी को दिए गए आवेदन में उल्लेख किया गया कि 13 जुलाई को जानकारी मिली कि विवेक शर्मा नामक युवक द्वारा व्हाट्सएप स्टेटस एवं अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भगवान श्रीराम से संबंधित कथित आपत्तिजनक टिप्पणी एवं चित्र साझा किए गए हैं।

शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि उक्त सामग्री से सनातन धर्म में आस्था रखने वाले लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। उन्होंने आशंका जताई कि इस प्रकार की पोस्ट सामाजिक सौहार्द को प्रभावित कर सकती हैं। शिकायत के साथ कथित पोस्ट के स्क्रीनशॉट भी पुलिस को उपलब्ध कराए गए हैं।शहपुरा थाना प्रभारी अनुराग जामदार ने बताया कि शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 299 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।घटना के बाद क्षेत्र में इस मामले को लेकर चर्चाएं भी तेज हो गई हैं। कुछ लोगों द्वारा संबंधित युवक की पृष्ठभूमि और अन्य तथ्यों की जांच की मांग की जा रही है। हालांकि, इन बिंदुओं की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस जांच पूरी होने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

[करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल]

जबलपुर, रविवार 19 जुलाई 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

कुर्की वारंट देने गए कर्मचारी के साथ अभद्रता

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। विगत दिवस जिला सत्र न्यायालय की नाजरात शाखा में पदस्थ आदेशिका वाहक के साथ अभद्रता कर दी गई। बताया गया कि श्रीमति ज्योति मिश्रा तृतीय जिला न्यायाधीश द्वारा प्रकरण क्रमांक 189/26 सिविल प्रोसिजर के तहत कुर्की वारंटी ब्रजेश यादव पिता मलके यादव और शीतल यादव पति ब्रजेश यादव निवासी बारहछोटा के नाम जारी किया गया। कुर्की वारंट तामील करने बारहछोटा पहुंचे कर्मचारी के साथ अभद्रता कर दी गई। घटना के दौरान उपस्थित ग्राम कोटवार गंगा मेहरा, कृष्ण कुमार सिंह व शुभम पाटकर ने बीच बचाव किया। पुलिस ने मामला पंजीबद्ध कर जांच में लिया है।

शासकीय कार्य में बाधा डालने पर राघवेन्द्र सोनी निलंबित

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने शासकीय कार्य में लापरवाही एवं अनुशासनहीनता के मामले में कार्रवाई करते हुए कार्यालय सहायक संचालक कृषि (गन्ना) में पदस्थ सहायक ग्रेड 3 राघवेन्द्र कुमार सोनी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। जारी आदेश के अनुसार 14 जुलाई 2026 को आयोजित जनसुनवाई के दौरान श्री सोनी द्वारा शराब (एल्कोहल) का सेवन कर उपस्थित होने तथा शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न करने की शिकायत सामने आई थी। मामले की पुष्टि के लिए कराई गई मेडिकल जांच रिपोर्ट में भी शराब सेवन की पुष्टि हुई है। इस कृत्य को मध्यप्रदेश सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के विरुद्ध पाए जाने पर कलेक्टर द्वारा मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के तहत कार्रवाई करते हुए संबंधित कर्मचारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है।

सर्पदंश से 8 वर्षीय बालक की हुई मौत परिवार में पसरा मातम,

हरिभूमि न्यूज छपारा - शनिवार 18 जुलाई को अलसुबह लगभग चार बजे विकासखंड के ग्राम जोगीवाडा से एक बेहद दुखी करने वाले हादसे की जानकारी सामने आई जहां एक कक्षा दूसरी में पढ़ने वाले बच्चे को सर्प दंश हुआ और उसकी असमय मृत्यु हो गई मिली जानकारी के अनुसार नगर से लगभग 6 किलोमीटर दूर ग्राम जोगीवाडा में शनिवार सुबह लगभग 4 बजे अर्जित परते पिता अनिल परते घर के सामने वाले कमरे में परिवार के सदस्यों के साथ सो रहा था उसी दौरान घर में घुसे सर्प ने बालक को काटा जिसके जानकारी बालक ने परिवार को बताई वहीं लगभग 6:30 बजे परिजनों ने नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लेकर पहुंचे जहां जांच कर चिकित्सकों ने बालक को मृत घोषित कर दिया परिवार सदस्यों ने बताया कि वह घर के सामने वाले घर में नीचे बिस्तर बिछा कर सो रहे थे और यह हादसा हुआ अर्जित उनकी इकलौती संतान थी और परिवार पर यह दुख का पहाड़ टूट गया। सुबह बालक के शव का पोस्टमार्टम करने के पश्चात परिवार को सौंप दिया गया।

शिक्षा की गुणवत्ता व कमजोर विद्यार्थियों पर फोकस: कलेक्टर

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार, बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट परिणाम तथा प्रत्येक बच्चे का शत-प्रतिशत नामांकन जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। उन्होंने निर्देश दिए कि कमजोर विद्यार्थियों के लिए विशेष शैक्षणिक सहयोग, नियमित मूल्यांकन और प्रभावी मॉनिटरिंग के माध्यम से बेहतर परिणाम सुनिश्चित किए जाएं।

कलेक्टर श्रीमती सिंह विकासखंड नरसिंहपुर के शासकीय विद्यालयों के प्राचार्यों एवं संस्था प्रमुखों की विकासखंड स्तरीय समीक्षा बैठक को शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर में संबोधित कर रही थीं। सत्र 2026-27 में कक्षा 1, 6 एवं 9 के नामांकन की समीक्षा के दौरान जिन विद्यालयों में नामांकन अपेक्षाकृत कम पाया गया, वहां विशेष अभियान चलाकर शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि कोई भी पात्र बच्चा विद्यालय से वंचित न रहे।

अतिरिक्त कक्षाओं का करें संचालन

बैठक में कलेक्टर ने शिक्षा विभाग की योजनाओं एवं शैक्षणिक गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि प्राथमिक स्तर पर अंकुर मिशन के अंतर्गत विद्यार्थियों की बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक दक्षता का नियमित आकलन किया जाए तथा स्तरानुसार हिंदी, गणित एवं अंग्रेजी का गुणवत्तापूर्ण अध्यापन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कक्षा 10वीं एवं 12वीं के विद्यार्थियों के लिए विषयवार कार्ययोजना तैयार करने, नियमित मासिक परीक्षण आयोजित करने तथा कमजोर विद्यार्थियों के लिए अतिरिक्त कक्षाओं का संचालन करने के निर्देश दिए। साथ ही मेधावी विद्यार्थियों को मेरिट सूची में स्थान दिलाने के लिए विशेष शैक्षणिक मार्गदर्शन एवं अकादमिक सहयोग उपलब्ध कराने पर जोर दिया। कलेक्टर ने वर्ष 2025-26 में कक्षा 5वीं, 8वीं, 10वीं एवं 12वीं के परीक्षा परिणामों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि उत्कृष्ट परिणाम देने वाले विद्यालयों के शिक्षकों द्वारा अपनाए गए नवाचारों एवं सफल प्रयासों की 'सक्सेस स्टोरी' तैयार कर जिले के सभी विद्यालयों में साझा की जाए, ताकि अन्य विद्यालय भी इन नवाचारों को अपनाकर बेहतर शैक्षणिक वातावरण विकसित कर सकें।

योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर

बैठक में अपार आईडी निर्माण, निःशुल्क पाठ्यपुस्तक वितरण, साइकिल वितरण, सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के समयबद्ध निराकरण, यू-डाइस पोर्टल पर छात्र प्रोग्रेशन, 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान, आंगनबाड़ी केंद्रों की को-लोकेशन मैपिंग, विद्यालय भवनों की स्थिति तथा जाति प्रमाण-पत्रों की प्रगति की भी विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने निर्देश दिए कि शासन की सभी योजनाओं का प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए प्रत्येक विद्यालय शिक्षा की गुणवत्ता, नियमित छात्र उपस्थिति, शत-प्रतिशत नामांकन एवं आधारभूत सुविधाओं के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे। उन्होंने विद्यालयवार सतत मॉनिटरिंग कर निर्धारित लक्ष्यों को समयसीमा में पूर्ण करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

शिक्षकों के प्रयासों की सराहना

बैठक में शासकीय माध्यमिक शाला लोकीपार की प्रेरणादायी सफलता की प्रस्तुति दी गई। कलेक्टर ने विद्यालय के शिक्षकों के समर्पित प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे नवाचार पूरे जिले के विद्यालयों के लिए प्रेरणास्रोत बनेंगे। जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. अनिल कुशवाहा ने कलेक्टर द्वारा दिए गए सभी निर्देशों का प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने का विश्वास दिलाया। बैठक में जिला परियोजना समन्वयक प्रदीप द्विवेदी, विकासखंड शिक्षा अधिकारी ब्रजेश शर्मा, शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य राजीव किशोर श्रीवास्तव, विकासखंड स्त्रोत समन्वयक ओ.पी. राय सहित विकासखंड नरसिंहपुर के समस्त शासकीय हायर सेकेंडरी, हाई स्कूल, माध्यमिक एवं प्राथमिक विद्यालयों के प्राचार्य, प्रधानाध्यापक, एपीसी, बीएसी, जन शिक्षक तथा शिक्षा विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

राजस्व प्रकरणों के समय-सीमा में हो निराकरण: कलेक्टर

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेकर विभागीय कार्यों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राजस्व से संबंधित सभी लंबित प्रकरणों का समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए तथा आमजन को त्वरित एवं पारदर्शी सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं। बैठक में कलेक्टर श्रीमती सिंह ने आरसीएमएस की प्रगति, एसडीएम एवं तहसील स्तर पर लंबित राजस्व प्रकरणों, पीठासीन अधिकारियों के समक्ष लंबित मामलों तथा गिरदावरी और फार्मर रजिस्ट्री की समीक्षा की। उन्होंने भू-अर्जन के लंबित प्रकरणों, अभिलेख दुरुस्ती, नजूल पट्टों के नवीनीकरण, भूमि आवंटन प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सुशासन व्यवस्था की समीक्षा करते हुए जनसुनवाई, 100 दिवस की सीएम हेल्पलाइन, अतिक्रमण संबंधी प्रकरणों, सीएम हाउस, कार्यालय एवं आयोगों से प्राप्त शिकायतों तथा सीपी ग्राम पोर्टल पर लंबित मामलों के त्वरित निराकरण पर विशेष जोर दिया। बैठक में धारणाधिकार के लंबित प्रकरणों, राजस्व वसूली, आरबीसी 6(4) के प्रकरण, हिट एंड रन, एससी एसटी अत्याचार अधिनियम के लंबित मामलों तथा किसान कल्याण से संबंधित विषयों की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक प्रकरण की नियमित मॉनिटरिंग करें, निर्धारित समय-सीमा का पालन करें तथा राजस्व सेवाओं में पारदर्शिता, जवाबदेही और गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए शासन की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन करें।

बकोरी खदान क्षेत्र में किया गया सामूहिक वृक्षारोपण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के दिशा-निर्देशों के पालन में आज ग्राम बकोरी स्थित उत्खनन पट्टा खदान क्षेत्र में व्यापक पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर मेसर्स अखिलेश राजपूत, उनके कर्मचारी, स्थानीय ग्रामीणों तथा खनिज विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों की उपस्थिति और सहयोग से कुल 251 पौधों का सामूहिक रोपण किया गया। पौधरोपण के तहत आम, नीम, नींबू, अमरूद, जामुन, आंवला सहित विभिन्न फलदार एवं छायादार प्रजातियों के पौधे लगाए गए। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना तथा खदान क्षेत्र को हरित आवरण प्रदान करना रहा। इस मौके पर अखिलेश राजपूत ने बताया कि वर्ष 2019 से लगातार प्रतिवर्ष लगभग 500 पौधों का रोपण किया जा रहा है। इसी सतत प्रयास का परिणाम है कि क्षेत्र में आम, नींबू और अमरूद के विकसित बगीचे तैयार हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि आम की हापूस, बादाम, लंगड़ा, नीलम और दशहरी जैसी उच्चत किस्मों के पौधे भी यहां लगाए गए हैं, जो भविष्य में उत्पादन और पर्यावरण संतुलन दोनों में सहायक होंगे। मौजूद सभी लोगों ने पौधों की देखभाल और संरक्षण का संकल्प भी लिया।

नशामुक्ति का गूंजा संकल्प, काफी हाउस का हुआ शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। प्रदेशव्यापी नशे से दूरी है जरूरी-2.0 अभियान के अंतर्गत जिले में आयोजित जनजागरूकता कार्यक्रम ने जन आंदोलन का रूप ले लिया। कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिकारियों एवं आमजन की सक्रिय सहभागिता से नशामुक्त समाज निर्माण का सशक्त संदेश दिया गया। कार्यक्रम में अति. पुलिस महानिदेशक जबलपुर जोन प्रमोद वर्मा एवं पुलिस उप महानिरीक्षक छिंदवाड़ा रेंज राकेश कुमार सिंह, कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह तथा पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीना ने उपस्थित नागरिकों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई। सभी ने संकल्प लिया कि वे स्वयं नशे से दूर रहेंगे और समाज को भी इससे मुक्त बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। अधिकारियों द्वारा नागरिकों को नशे से दूरी है जरूरी-2.0 अभियान का बैज लगाकर इस मुहिम से जोड़ा गया। इस दौरान यह संदेश दिया गया कि नशे के खिलाफ लड़ाई केवल प्रशासन की नहीं, बल्कि पूरे समाज की साझा जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में उपस्थित नागरिकों ने नशा नहीं करेंगे, न किसी को करने देंगे का दृढ़ संकल्प लिया। अधिकारियों ने कहा कि नशा व्यक्ति ही नहीं, बल्कि परिवार और समाज के भविष्य को भी प्रभावित करता है, इसलिए इसके विरुद्ध जागरूकता और सहभागिता अत्यंत आवश्यक है। अधिकारियों ने कहा कि युवा नशे से दूर रहकर स्वस्थ, अनुशासित एवं सकारात्मक जीवन अपनाएं और समाज में प्रेरणा का स्रोत बनें। कार्यक्रम में मौजूद सभी नागरिकों ने अभियान को जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प लिया और नशामुक्त, सुरक्षित एवं स्वस्थ समाज के निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का विश्वास दिलाया। कार्यक्रम के दौरान अति. पुलिस महानिदेशक जबलपुर जोन प्रमोद वर्मा एवं पुलिस उप महानिरीक्षक छिंदवाड़ा रेंज राकेश कुमार सिंह, कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह तथा पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीना ने फीता काटकर एवं दीप प्रज्ज्वलित कर इंडियन कॉफी हाउस का विधिवत शुभारंभ किया गया।

नवीन सर्वसुविधायुक्त आंगनवाड़ी भवन का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। बच्चों की सुरक्षा और बेहतर शैक्षणिक वातावरण सुनिश्चित करने की दिशा में ग्राम पंचायत भीलमाढाना में महत्वपूर्ण पहल की गई है। ग्राम पंचायत भीलमाढाना अंतर्गत संचालित आंगनवाड़ी केंद्र भीलमाढाना-बी को जर्जर एवं क्षतिग्रस्त भवन से स्थानांतरित कर प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत निर्मित नवीन सर्वसुविधायुक्त मल्टीपरपज भवन में संचालित किया गया है। पूर्व में यह आंगनवाड़ी केंद्र शाला परिसर स्थित क्षतिग्रस्त भवन में संचालित हो रहा था, जिससे बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता बनी हुई थी। नवीन भवन में बच्चों के लिए पर्याप्त स्थान, सुरक्षित वातावरण तथा आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हैं। वर्तमान में इस केंद्र में प्रतिदिन 25 से 30 बच्चे नियमित रूप से उपस्थित होकर प्रारंभिक शिक्षा, पोषण एवं अन्य आंगनवाड़ी सेवाओं का लाभ प्राप्त कर रहे हैं। स्थानीय ग्रामीणों एवं अभिभावकों ने इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि सुरक्षित और बेहतर भवन मिलने से बच्चों को गुणवत्तापूर्ण वातावरण में सीखने का अवसर मिलेगा तथा उनके सर्वांगीण विकास को भी नई दिशा मिलेगी। पीएम जनमन योजना के अंतर्गत निर्मित यह भवन क्षेत्र में बच्चों के हित में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि साबित हो रहा है।

वेदी शिलान्यास आज

तेंदूखेड़ा। श्री 1008 चिंतामणि पार्श्वनाथ पंचायती दिगम्बर जैन एन एच तेन्दूखेड़ा पर स्थित मंदिर में आज 19 जुलाई रविवार को निर्माणाधीन मंदिर की वेदी शिलान्यास सुबह 7:30 वजे से आर्यिका 105 प्रशांत मति माता जी आर्यिका 105 विशुद्ध मति माता जी ससंघ के मंगल सानिध्य में विद्वान पं.कमल कुमार शास्त्री के मार्गदर्शन में किया जायेगा। सकल दिगम्बर जैन समाज एवंट्रस्ट कमेटी श्री पार्श्वनाथ पंच्याती दिगम्बर जैन मंदिर तेन्दूखेड़ा ने सभी श्रद्धालुओं से उपस्थिति की अपील की है।

आर्यिका ससंघ का आगमन

संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महामुनिराज की सुयोग्य शिष्या आर्यिका प्रशांत मति एवं आर्यिका विशुद्ध मति माता जी का तेंदूखेड़ा में चातुर्मास होना है । नरसिंहपुर से पदविहार करती हुई शनिवार को माता जी तेंदूखेड़ा पहुंचने पर सकल दिगम्बर जैन समाज ने माता जी की बड़े ही श्रद्धा भाव एवं हर्ष उल्लास बैंड बाजों के बीच मंगल आगवानी की पूरी समाज में उत्साह का वातावरण देखा गया। चार्तुमास के दौरान विविध धार्मिक आध्यात्मिक आयोजन मंदिर परिसर में संपन्न होंगे जिससे नगर में धार्मिक वातावरण बना रहेगा।

लाखों रुपए खर्च होने के बाद भी नहीं बुझ पा रही प्यास करोंदी ग्राम पंचायत में आधे गांव में हो रही सप्लाई

तेंदूखेड़ा। शासन द्वारा प्रत्येक गांव में नल-जल योजनाओं के माध्यम से पेयजलापूर्ति की दिशा में कहीं कोई कसर नहीं छोड़ी है। लाखों करोड़ों रुपए पानी की तरह बहाये भी लेकिन ठेकेदारों की मनमानीपूर्ण कार्यप्रणाली के चलते शासन की योजनाओं पर पलीता लगता नजर आ रहा है। और उद्देश्य की पूर्ति भी नहीं हो पा रही है।ऐसा ही एक मामला चांवरपाठा विकास खंड के अंतर्गत ग्राम करोंदी पंचायत में देखनें को मिला है। जहां लाखों रुपए मूल्य की एक पानी की टंकी तो बनाई गई है लेकिन गांव में जो लाइन डाली गई है वह इतनी घटिया किस्म की डाली गई है ।जो जहां तहां से टूट फूट गई है । पानी का रिसाव हो रहा है। और सही तरीके से घरों घर उपभोक्ताओं तक पानी नहीं मिल पा रहा है। उपभोक्ता परेशान बनें हुए हैं। सबसे बड़ी विसंगति पूर्ण स्तिथि तो यह बनीं हुई है कि यह सप्लाई आधे गांव में ही हो रही है।आधे गांव में अभी सप्लाई नहीं है।आधे गांव के लोग पेयजल आपूर्ति को लेकर परेशान हैं।

पंचायत को थमाया 20 हजार का बिजली बिल

सबसे बड़ी विसंगति पूर्ण स्तिथि तो यहां पर यह बनी हुई है कि इस टंकी को ग्राम पंचायत ने अभी पी एच ई से अपने हेंडोबर नहीं ली है और पूरे गांव में सप्लाई भी नहीं है। जहां तहां पानी का रिसाव भी हो रहा है। ग्राम पंचायत सचिव का कहना है कि जब तक लाइन सही नहीं होगी और पूरे गांव में पानी नहीं पहुंचता है तब तक हम इसे अपने अधीनस्थ नहीं लेंगे। ऊपर से विद्युत विभाग ने 20 हजार रुपए का बिल थमा दिया है। ग्रामीण पानी को लेकर परेशान बनें हुए हैं।पी एच ई के अधिकारियों को भी अनेकों बार सूचित किया जा चुका है फिर भी सुधार नहीं हो रहा है।

इनका कहना है

करोंदी में पानी की टंकी बन चुकी है और लाइन भी डल चुकी है यहां पर 600 मीटर लाइन और डाली जानी है जिसे शीघ्र डलवा दिया जायेगा। वहां के लोगों को भी बता दिया है।

सुनील परतेती
इंजीनियर पी एच ई चांवरपाठा

नल कनेक्शन देकर छोड़ दी गईं टूटी सड़कें, बारिश में हादसों और संक्रमण का बढ़ा खतरा

करेली न्यूज़ ।

करेली नगर पालिका की कार्यप्रणाली एक बार फिर सवालों के घेरे में है। नगर में नल कनेक्शन देने के लिए नई और पुरानी सड़कों को जगह-जगह खोद दिया गया, लेकिन कई महीने बीत जाने के बाद भी इन गड्ढों को नहीं भरा गया। गुरुद्वारे से सोमवार बाजार तक बनी नई सड़क सहित नगर के कई वार्डों और गलियों में यही स्थिति बनी हुई है।अच्छी-भली कंक्रीट सड़कों को काटकर नल कनेक्शन तो दे दिए गए, लेकिन उन्हें पूर्ववत करने की जिम्मेदारी कोई लेने को तैयार नहीं है।

इंदौर की घटना से नही लिया सबक

बारिश के मौसम में यह लापरवाही और गंभीर हो गई है। नालियों के आसपास बने कच्चे गड्ढों में गंदा एवं विषाक्त पानी भरने का खतरा बना रहता है। यदि किसी स्थान पर पेयजल पाइपलाइन में रिसाव हुआ तो यह दूषित पानी पाइपलाइन में मिलकर संक्रामक बीमारियों का कारण बन सकता है। इंदौर में दूषित पेयजल से फैली बीमारी की घटना के बाद प्रदेश स्तर पर पेयजल पाइपलाइन की मरम्मत और सड़क खोदने के बाद तत्काल दुरुस्ती के सख्त निर्देश जारी किए जा चुके हैं। इसके बावजूद करेली में महीनों से खुले पड़े गड्ढे अधिकारियों की उदासीनता को उजागर कर रहे हैं।*नपा अधिकारी कर रहे गुमराह*सबसे बड़ा सवाल अधिकारियों

की जवाबदेही पर खड़ा हो रहा है। मुख्य नगरपालिका अधिकारी ने लगभग एक सफ्ताह पहले गड्ढों को दिखवाकर भरवाने का आश्वासन दिया था, लेकिन आज तक स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ। वहीं नगर पालिका के इंजीनियरिंग विभाग के अधिकारी अपनी जिम्मेदारी निभाने के बजाय एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डालते नजर आए।

एक दूसरे पर डाल रहे जिम्मेदारी

नपा के उपयंत्रीयो में एक का कहना है कि यह अमृत योजना के अंतर्गत दिए गए नल कनेक्शन हैं, इसलिए गड्ढे भरने की जिम्मेदारी उनकी नहीं है। दूसरी ओर सहायक इंजीनियर का कहना है कि संबंधित क्षेत्र में योजना के तहत कनेक्शन नहीं दिए गए हैं और सड़क की मरम्मत नगर पालिका करेगी। दोनों अधिकारियों के परस्पर विरोधी बयान यह दर्शाते हैं कि विभाग के जिम्मेदार अधिकारी स्वयं यह तय नहीं कर पा रहे हैं कि कार्य किसके अधिकार क्षेत्र में आता है।*पूर्ववत कांक्रीट होना था*नगर पालिका के सूत्रों के अनुसार, यदि नगर पालिका द्वारा नए नल कनेक्शन दिए गए हैं तो सड़क को तत्काल कंक्रीट कर पूर्ववत करना नगर पालिका की जिम्मेदारी है। वहीं यदि खुदाई अमृत योजना के अंतर्गत हुई है तो संबंधित ठेकेदार को निर्धारित मानकों के अनुसार गड्ढों को पक्का कर सड़क को पहले जैसी स्थिति में लाना चाहिए। लेकिन करेली में न तो ठेकेदार जिम्मेदारी निभा रहे हैं और न ही नगर पालिका के अधिकारी जवाबदेही तय कर पा रहे हैं।

दुर्घटनाओं व बीमारियों की भी संभावना

नगरवासियों का आरोप है कि नगर पालिका की यही कार्यशैली नई बनी सड़कों को समय से पहले खराब कर रही है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते गड्ढे नहीं भरे गए तो दुर्घटनाओं के साथ-साथ जलजनित बीमारियों का खतरा भी बढ़ेगा। नागरिकों ने जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई करते हुए सभी खुदी हुई सड़कों को तत्काल दुरुस्त कराने की मांग की है। **नपा की कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिन्ह:** नगरवासियों का कहना है कि जब जिम्मेदार अधिकारी ही अपने दायित्व से बचते हुए एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डाल रहे हैं, तो आम जनता की समस्याओं का समाधान कैसे होगा? यही लापरवाही नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर सबसे बड़ा प्रश्नचिह्न खड़ा कर रही है।

आम जनता का साफ कहना सड़कों को इस तरह खोद कर छोड़ना कुछ अन्यत्र की और इशारा है

आम जनता से जब नगर पालिका के बारे में बात की तो उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि इन्हें ना तो जनता के कामों से कोई लेना-देना है और ना ही बगैर किसी मतलब के नगर के कोई कार्य करने हैं यह काम इनका कुछ और ही तरफ इशारा कर रहा है नगर का अकेला यही मार्ग नहीं है जो नल कनेक्शन से खुदा हुआ है अन्य मार्ग भी इसी हालत में पड़े हुए हैं क्या यह नगर पालिका अच्छी भली सड़कों को भी खराब कर उन्हें पुनः नवनिर्माण की ओर अग्रेषित कर रही हैं जिससे आम जनता की खून पसीने की कमाई को यूं ही बह कर भ्रष्टाचार की एक नई पटकथा लिखी जा सके।नल कनेक्शन के लिए जहां-जहां सड़क को खोदा गया हैं उनको जल्द ही दिखवा कर दुरुस्त करवाता हूं।

श्रीकांत पाटर
मुख्य नगर पालिका अधिकारी करेली
यह नल कनेक्शन योजना अंतर्गत दिया गया है इसे भरवाना हमारा काम नहीं है
पुष्पेश विश्वकर्मा
उपयंत्री नगर पालिका करेली
जिस वार्ड में आप बोल रहे हैं उधर योजना के तहत कोई कनेक्शन नहीं दिया गया है इसे भरने का काम नगर पालिका करेगी
योगेंद्र बाथरी
सब इंजिनियर नगर पालिका करेली